

कार्यक्रम की दीप प्रज्जवलित कर शुरुआत करतीं मुख्य अतिथि।

संगीता नेरुरकर ने विद्यार्थियों को सिखाए संगीत के गुर

लखनऊ, अमृत विचार : भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के गायन विभाग की ओर से शनिवार को पुणे की प्रख्यात संगीत कलाकार संगीता नेरुरकर की एक दिवसीय सुगम संगीत कार्यशाला आयोजित की गई। कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यशाला में नेरुरकर ने गीत, ठुमरी और गजल की प्रस्तुतियों से विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुगम संगीत की विविध विधाओं और गायन शैलियों से परिचित कराया। उन्होंने राग झिंझोटी में ठुमरी और राग दरबारी में रचना प्रस्तुत की। साथ ही बेगम अख्तर और केएल सहगल की गायन शैली, संगीत परंपरा तथा योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने रागदारी, शब्दों के भाव और भावाभिव्यक्ति का महत्व समझाया। कुलपति ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान और कलात्मक अभिव्यक्ति को समृद्ध करती हैं।